भजन

तर्ज–कौन दिसा मे ले के चला रे

पिया की नगरिया ले चल री डगरिया
जहां प्राण पिया वहीं लागे रे जिया
मोहे जावन दे,जावन दे....

1–ऐसी लगन मोरी लागी पिया से,जग संसार ना भाये रे
दिन नाहिं चौना रात न निदियां,अब नाहि मोहे सुहाऐ रे
पिया के दरश को व्याकुल मनवा,इक पल कल नाहिं पाए रे

2–पिया के विरह में ऐसी मैं तड़पूं,जैसे जल बिन मीन रे
बिन बाती ज्यों दीपक न जलता,ऐसी दशा मोरी हीन रे
दरश पिया के जब हीं मिलें,तब मन को मिले विश्राम रे

3–पिया की नगरिया सुख की नगरिया,दुख नाही आवे पास रे
हर पल रूहें अपने पिया संग,करती हांस विलास रे
ऐसे नगर को सुंदरसाथ जी,मिल चलो सब साथ रे